(ऐंकरिंग की शुरुआत)

मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों को मेरा प्रणाम और इस कॉलेज के सभी छात्रों और सहपाठियों को मेरा नमस्कार। जैसा कि आप लोग जानते हैं कि आज हम यहां पर गणतंत्र दिवस के जश्न के लिए एकत्र हुए हैं। आप यह भी जानते हैं कि हमने यह आज़ादी बहुत संघर्षों और बलिदान के बाद पायी है। आज हम उन बलिदानियों को याद करेंगे, जिनकी वजह से हम गणतंत्र दिवस मना पा रहे हैं।

ध्वजारोहण समारोह

अब हम ध्वजारोहण के लिए माननीय जिला पंचायत सदस्य श्री मिथिलेश कुमार जी और हमारे इस कॉलेज के प्रधानाध्यापक जी को आमंत्रित करना चाहेंगे। आप दोनों लोग से सविनय निवेदन है कि ध्वजारोहण कर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं।

ध्वजारोहण के बाद

जिलापंचायत सदस्य श्री मिथिलेश कुमार जी और प्रधानाध्यापक जी को धन्यवाद और आज हमारा परम सौभाग्य है कि आज का ध्वजारोहण श्री मिथिलेश कुमार जी के हाथों संपन्न हुआ।

मिथिलेश जी जनता से जुड़े आदमी हैं और हमेशा ही क्षेत्र से जुड़े लोगों के संपर्क में रहते हैं और उनकी समस्यायों को सुनते हैं और उसका निवारण करते हैं। अब हम कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हैं और मैं इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और हिस्ट्री के टीचर श्री वरुण नायक जी को मंच पर आमंत्रित करना चाहूँगा, आपसे से सविनय निवेदन है कि आप मंच पर आये और अपने मुखारविन्दु से हमें गणतंत्र दिवस के बारे में बताएं।

मुख्य वक्ता के बाद

धन्यवाद सर, आपने इतिहास से जुडी बहुत ही गूढ़ बाते बतायीं हैं और हमें इसे जरूर याद रखना चाहिए और यह सत्य है कि आज हम इस आज़ादी को देख पा रहे हैं, महसूस कर पा रहे हैं और जी पा रहे हैं तो इसके लिए इस देश ने बहुत सी कुर्बानियां दी है और अब हम उन्ही कुर्बानियों को गीत के माध्यम से बताने के लिए एक - एक कर सभी छात्रों को बुलाने जा रहे हैं।

कार्यक्रम को समाप्त करें

अब यह कार्यक्रम समाप्ति की तरफ बढ़ रहा है। एक बार फिर से हम मुख्य अतिथि श्री मिथिलेश कुमार जी को यहां पर आमंत्रित करना चाहेंगे कि वो बच्चों को पुरस्कार वितरित करें और सभी गणमान्य सदस्यों और छात्रों से निवेदन है कि जलपान के बाद ही घर जाएँ और अनुशासन बनाये रखें, धक्का - मुक्की न करें।